अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : तबला / पखावज

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र. 1 रिक्त स्थानोंकी पूर्ती किजिए । (15)

1. ---------- यह घराना नही है। (दिल्ली, बनारस, कलकत्ता)
2. स्वतंत्र तबला वादन के प्रारंभ में ---------- बजाया जाता है। (कायदा, पेशकार, चक्रदार)
3. खुलाबाज ---------- वाद्य के वादन शैली से प्रभावीत है। (पखावज, तबला, ढोलक)
4. तिहाईयुक्त बोलसमुह तीन बार बजनेपर -------- कहा जाता है। (तुकडा, तिहाई, चक्रदार)
5. दमदार तिहाई में कुल ---------- विश्राम होते है। (1, 2, 3)
6. 'परन' वादन प्रकार ---------- वाद्य से प्रभावित है। (पखावज, तबला)
7. पं.पलुस्कर तालिपीनुसार रुपक ताल की सम -------- चीन्ह से दर्शाई जाऐगी। (X, O, +)
8. पं.भातखंडे तालिपीनुसार 'तकीट' शब्द ---------- ऐसा लिखा जाऐगा। (तकीट, तकीट, तकीट)
9. ---------- तालमें 3 खाली आती है। (आडाचौताल, एकताल, चौताल)
10. अध्दा ताल ---------- गायन प्रकारके लिए उपयुक्त है। (विलंबीत ख्याल, ध्रृपद, ठुमरी)

11. तिलवाडा ताल ---------- के लिए उपयुक्त है। (ख्याल गायन, सुगम गायन, स्वतंत्र तबला वादन)
12. 'तक तीरकीट' यह एक मात्रा पं.पलुस्कर ताललिपीमें ---------- लिखी जाऐगी। (तुकृतीरकीट, तकतीरकीट, तुकृतीरकीट)
13. एकताल / चौताल के तिगुन का 1 आवर्तन ---------- मात्रा का होगा। (3, 4, 6)
14. ---------- और ---------- ताल की मात्राऐं 14 है। (रुपक/तेवरा, एकताल/चौताल, आडाचौताल/धमार)
15. धमार ताल में कुल ---------- अवग्रह है। (4, 2, कोई भी नही)

प्र. 2 योग्य जोडीयाँ लगाऐं। **(1 X 15=15)**

अ	ब
1. आडा चौताल	1. दिल्ली घराना
2. टप्पा–ठुमरी	2. तिलवाडा
3. रेला	3. तिश्रजाती
4. टुकडा/परण	4. अविस्तारक्षम रचना
5. उ. सिद्धारखाँ डाढी	5. पं.पलुस्कर ताललिपी
6. खुला बाज	6. समान मात्रा
7. X (सम) O (काल)	7. दिपचंदी
8. 1 (सम) X (काल)	8. लखन्नौ घराना
9. स्वतंत्र तबला वादन	9. आडाचौताल
10. ख्याल गायन	10. ज्यादा व्यंजन अक्षर
11. सूलताल / तेवरा	11. पं.भातखंडे ताललिपी
12. आडाचौताल और धमार	12. पखावज
13. धमार ताल	13. 2 मात्राओं के 7 खंड
14. 4 ताली, 3 खाली	14. पेशकार
15. 1 मात्रा में 3 अक्षरोंकी रचना	15. 5, 2, 3, 4 के खंड

प्र.3. लिपिबद्ध करे। (कोई 3) **(5 X 3 = 15)**

1. झपताल / सूलताल में 1 रेला । (एक पल्टा, तिहाई सहीत)
2. आडाचौताल / धमार में एक तुकडा ।
3. कोई भी ताल में एक फरमाईशी चक्रदार ।
4. एकताल/चौताल मे सम से समतक तिहाई ।
5. तिनताल में बेदम तिहाई ।

प्र.4. निम्नलिखित शब्दोंकी सोदाहरण परीभाषा लिखे। (कोई 3)
(5 X 3 = 15)

1. फरमाईशी चक्रदार
2. गत
3. परण
4. बेदम तिहाई
5. पेशकार

प्र. 5 लखनौ घरानेकी जानकारी देकर, इस घराने की वादनशैलीपर विस्तृत विचार लिखे। **(15)**

प्र. 6 निम्नलिखित गायनशैली की संक्षिप्त जानकारी देकर उनमें उपयुक्त तालोंके नाम लिखे। (कोई 3) **(5 X 3 = 15)**

1. ख्याल (विलंबीत–द्रुत)
2. ध्रुपद
3. ठुमरी
4. तराना
5. भजन

प्र. 7 निम्नलिखित तालोंको निर्देशानुसार लिपीबद्ध करे। (कोई 3)
(5 X 3 = 15)

1. एकताल / चौताल की दूगुन (पं. पलुस्कर तालिपी में)
2. आडाचौताल / धमार ताल की तिगुन
3. झपताल / सूलताल की चौगुन (आवर्तन में एकबार)
4. ताल अध्दा (बराबर तथा दूगुन)
5. रुपक/तेवरा ताल की तिगुन (पं.पलुस्कर तालिपी में)